भारत के कांसुलेट जनरल, डॉ. अमन पुरी द्वारा 23 फरवरी 2022 को दुबई में आयोजित रात्रिभोज के अवसर पर माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला द्वारा सम्बोधन

नमस्ते,

सलाम अलैकुम

- मध्य पूर्व के एक व्यापारिक केंद्र और अपनी समृद्ध संस्कृति, अपने समुद्री तटों, खिली धूप के मौसम, रेगिस्तान और आतिथ्य सत्कार के लिए प्रसिद्ध इस खूबसूरत 'ग्लोबल सिटी' दुबई में आप सबके बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के दौरे का आयोजन करने और यहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाक़ात करने का अवसर प्रदान करने के लिए मैं हमारे काउंसल जनरल डॉ अमन पुरी जी और भारतीय कांसुलेट के अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। दुबई में भारतीय समुदाय के लोगों और यहां मौजूद सभी प्रतिष्ठित सदस्यों को मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

- मित्रो, दुबई उन सात अमीरातों में से एक है जिनसे मिलकर संयुक्त अरब अमीरात बना है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह संयुक्त अरब अमीरात का दूसरा सबसे बड़ा अमीरात है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि दुबई में लगभग 16 लाख भारतीय रह रहे हैं और अलग अलग क्षेत्रों में संयुक्त अरब अमीरात के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात को कृषि, विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरिक्ष जैसे अन्य क्षेत्रों में अपनी अर्थव्यवस्था का विस्तार करने के लिए योग्य और कुशल लोगों की आवश्यकता है। भारत के पास तकनीकी जानकारी और आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध हैं। व्यवसाय करने के लिए अनुकूल माहौल होने के कारण यह भारतीय निवेशकों का सबसे पसंदीदा शहर है।

- दुबई की प्रौद्योगिकी और अवसंरचना बहुत विकसित है और 'हैप्पीनेस इंडेक्स' के मामले भी दुबई की गिनती विश्व के शीर्ष देशों में होती है। अपनी विशेष भौगोलिक स्थिति और निवेशकों के अनुकूल अनेक उपाय करके दुबई ने स्वयं को एक व्यावसायिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है जहां कोई भी सफलतापूर्वक व्यवसाय कर सकता है।

- संयुक्त अरब अमीरात के सभी अमीरातों और भारत के बीच कई शताब्दियों से सुदृढ़ व्यापारिक और वाणिज्यिक संबंध रहे हैं और 1972 में स्थापित राजनयिक संबंधों के कारण जिन्हें और मजबूती मिली है।

- मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि आप सभी यहाँ भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय समुदाय के 3.5 मिलियन लोग संयुक्त अरब अमीरात के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात ने भी अपने विकास में भारतीय समुदाय द्वारा निभाई गई सकारात्मक भूमिका की सराहना की है।

- कोविड -19 महामारी की अभूतपूर्व स्थिति ने भारत और यूएई दोनों देशों को अपने सम्बन्धों को घनिष्ठ बनाने और एक दूसरे की सहायता करने का अवसर प्रदान किया है।

- भारत ने संयुक्त अरब अमीरात में अचल संपत्ति, परिवहन, संभार तंत्र, निर्माण, वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश किया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा, एचसीएल इंफोसिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसी प्रमुख कंपनियों सहित लगभग 4,300 से अधिक भारतीय कंपनियों के कार्यालय संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद हैं।

- विश्व की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां दोनों देशों में अनेक स्थानों के लिए अपनी हवाई सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। संयुक्त अरब अमीरात में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय समुदाय के लोग भारत को लगभग 17 बिलियन अमरीकी डालर भेजते हैं। हाल के दिनों में पर्यटन क्षेत्र ने जीडीपी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- दुबई ने कोविड महामारी की चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया है जिसके चलते इस शहर को मई, 2020 में घरेलू पर्यटकों और जुलाई, 2020 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया। तब से यहाँ पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है और नवीनतम आंकड़ों को देखने से यह पता चलता है कि जनवरी और अक्तूबर 2021 के बीच लगभग 4.88 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय यात्री दुबई आए हैं और केवल अक्तूबर महीने में ही एक मिलियन से अधिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों ने दुबई की यात्रा की थी।

- एक वैश्विक सर्वेक्षण में दुबई को वर्ष 2022 के लिए पर्यटकों का सर्वाधिक पसंदीदा स्थान पाया गया है। दुबई में अनेक बाजार, 100 से अधिक मॉल और असंख्य शॉपिंग सेंटर्स हैं जिसके कारण दुबई को मध्य-पूर्व की शॉपिंग कैपिटल कहा जाता है। दुबई में 250 के लगभग 'गोल्ड शॉप्स' हैं जिसके चलते इस शहर को 'सिटी ऑफ गोल्ड' भी कहा जाता है।

- मित्रो, यूएई में भारतीय समुदाय को अन्य प्रवासी समुदायों की तुलना में कहीं अधिक तकनीकी दक्षता एवं अनुशासनप्रियता के लिए जाना जाता है। इन विशेषताओं की वजह से भारतीय समुदायों के लोगों को अन्य

प्रवासी समुदायों की तुलना में अधिक सम्मान मिलता है। आज यूएई की आबादी में भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या सबसे अधिक है और इस देश में इस समुदाय की एक खास पहचान है।

- दुबई में भारतीय लोग न केवल यहां की 'वर्क फोर्स' का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं बल्कि खानपान और मनोरंजन के क्षेत्र में भी इनका काफी योगदान है। चूंकि भारत से दुबई की हवाई यात्रा में बहुत कम समय लगता है इसलिए दुबई भारत के बहुत से लोगों के लिए एक तरह से 'दूसरा घर' बन गया है।

- भारतीय मूल के लोग यहां के परिवेश में न केवल घुलमिल गए हैं बल्कि यहां उन्हें अपनी आस्था और संस्कृति का पालन करने की भी स्वतंत्रता है। जहां तक शिक्षा का संबंध है, यूएई में सीबीएससी और केरल बोर्ड के पाठ्यक्रम वाले अनेक भारतीय स्कूल हैं जिनमें करीब 219000 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं इनमें से अधिकांश प्रवासी भारतीयों के बच्चे हैं।

- भारत और यूएई के बीच काफी मैत्रीपूर्ण और मधुर संबंध हैं। दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय दौरे होते रहते हैं। यूएई में 3.43 मिलियन से अधिक भारतीय रहते हैं तथा यहां के लोग भारतीय संस्कृति से काफी परिचित हैं और उसमें रुचि रखते हैं।

- यूएई भारतीय संस्कृति को कितना महत्व देता है यह बात इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि अप्रैल, 2019 में अबु धाबी में आयोजित इंटरनेशनल बुक फेयर, 2019 में भारत को 'गेस्ट ऑफ ऑनर' का दर्जा दिया गया था। यूएई के 15 प्रतिष्ठित भारतीयों और एक भारतीय समुदाय एसोसिएशन को प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया है।

- आपको पता है कि आज वैश्वीकरण का युग है जहां एक देश से दूसरे देश तक वस्तुओं एवं पूंजी का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान होता है। इस नई विश्व व्यवस्था में हमारे लिए यह गर्व की बात है कि प्रवासी भारतीयों को विश्व में सबसे शिक्षित एवं सफल समुदाय माना जाता है।

- उन्होंने अपने निवास के देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही, उन्होंने ज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा, भारत और प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों के बीच संबंध निरंतर मजबूत हो रहे हैं और नई भागीदारियां बन रही हैं तथा विविध प्रकार के नए आयाम तलाशे जा रहे हैं जिससे कि भारत उनसे जुड़ सके।

- एक नया एवं उभरता हुआ भारत अपनी भूमिका का विश्व स्तर पर विस्तार करना चाहता है, हम अपने प्रवासी समुदाय के लोगों के साथ सुदृढ़ संबंध स्थापित करना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि दुबई में रह रहे भारतीय समुदाय के लोग हमारे इस प्रयास में अपना पूरा सहयोग देंगे।

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और अबु धाबी के क्राउन प्रिंस एवं यूएई सशस्त्र बलों के डिप्टी सुप्रीम कमांडर महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के बीच हुए वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

- इस समझौता से हमारी साझेदारी को नए आयाम मिलेंगे तथा हमारे लोगों की समृद्धि एवं खुशहाली के नए अवसर पैदा होंगे।

- इन्हीं शब्दों के साथ, मैं दुबई में हमारा भव्य एवं गर्मजोशी के साथ आदर-सत्कार करने के लिए भारतीय समुदाय का एक बार फिर आभार व्यक्त करता हूं। मैं यहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों और यूएई की समस्त जनता की सफलता एवं समृद्धि की कामना करता हूं। धन्यवाद।